आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

# अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 02 लखनऊ, मंगलवार 14 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

## दुनिया में 19 लाख के करीब संक्रमित

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का संक्रमण पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार की शाम तक संक्रमितों की संख्या १६ लाख के करीब पहुंच गई थी। मरने वालों की संख्या एक लाख १६ हजार से ज्यादा हो गई है। इस दौरान चार लाख ३५ हजार लोग इलाज से ठीक हुए हैं। अभी एक्टिव मामलों की संख्या १२ लाख ७३ हजार से ज्यादा है, जिसमें से ५० हजार से ज्यादा लोगों की स्थिति गंभीर है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेष दूत डेविड नाबरो ने रविवार को न्यूज चैनल एनबीसी के मीट द प्रेस कार्यक्रम में चेतावनी देते हुए कहा कि कोरोनो वायरस इन्फ्लूएंजा जैसी मौसमी बीमारी नहीं है। इसका जब तक कोई वैक्सीन तैयार नहीं होता है, तब तक इसका प्रकोप जारी रहेगा।

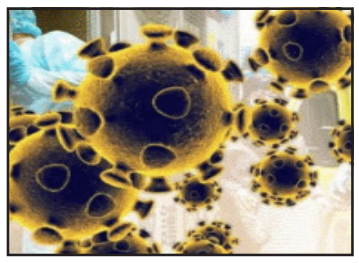

उन्होंने कहा– मुझे लगता है कि यह एक ऐसा वायरस है जो मानव जाति का लंबे समय तक पीछा करते रहेगा। केवल वैक्सीन ही हमें इससे बचा सकता है। बहरहाल, इस वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिका और वहां के न्यूयर्क शहर में एक दिन में होने वाली मौतों में कमी आई है। देश में २४ घंटे में १,५२८ लोगों की जान गई है। इनमें अकेले न्यूयर्क में ७५८ लोगों की मौत हुई। एक दिन पहले शनिवार को परे देश में १,६२० और न्यूयर्क में ७८३ लोगों ने दम तोड़ा था। अब तक अमेरिका में २२,१६३ लोगों की जान जा चुकी है। ५,६२,७४२ लोग संक्रमित हैं। उधर इटली में रविवार को ४३१ लोगों की मौत हुई। १६ मार्च के बाद मौतों का यह सबसे कम आंकड़ा है। शनिवार को वहां ६१६ की जान गई थी। वहां अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा १६,८६६ लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, एक लाख ५६ हजार ३६३ लोग संक्रमित हैं। इटली में नौ मार्च से लगा लकडाउन सोमवार को खत्म हो रहा है। लेकिन, १० अप्रैल को प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंटे ने कहा था कि कोरोना के चलते लकडाउन तीन मई तक बढ़ाया जा सकता है। स्पेन में अभी भी हर दिन हजारों नए संक्रमणों के मामले सामने आ रहे हैं। इसके बावजूद, सरकार ने घोषणा की है कि वह ईस्टर की छुट्टी के बाद कुछ सख्त लकडाउन प्रतिबंधों को वापस लेना शुरू कर देगी। हालांकि, अभी भी गैरजरूरी चीजें, दुकानें और मनोरंजन स्थल बंद रहेंगे। वहां अब तक १७ हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक लाख ६६ हजार लोग संक्रमित हैं।

## दिल्ली में लगातार दूसरे दिन भूकंप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली और एनसीआर इलाके में सोमवार को लगातार दूसरे दिन भूकंप आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता २.७ मापी गई। नेशनल सेंटर फर सिस्मोलजी के मुताबिक भूकंप डेढ़ बजे के करीब आया आया और इसका केंद्र जमीन के पांच किलोमीटर नीचे था। इससे पहले रविवार शाम पौने छह बजे भी ३.५ तीव्रता के झटके महसूस किए गए थे। इसका केंद्र पूर्वी दिल्ली में जमीन के आठ किलोमीटर नीचे था। भूकंप के कारण लोग घरों से बाहर आ रहे हैं, जिससे कोरोना संकट के बीच सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर खतरा पैदा हो गया है।

## उच्च न्यायालय में अब अति आवश्यक मुकदमों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में अब अति आवश्यक मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी। साथ ही मुकदमा ई– फाइलिंग से दाखिल होगा। उच्च न्यायालय के महानिबंधक ने इसके लिए आवश्यक दिशा– निर्देश जारी किए हैं। अधिवक्ता या वादकारी अपने मोबाइल या लैपटॉप या पीसी या टैब की सहायता से न्यायालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर बहस या अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए उच्च न्यायालय, संबंधित वकील या वादकारी को ई–मेल व एसएमएस से जरूरी सूचनाएं भेजेगा। वीडियो कन्फ्रेंसिंग के लिए संबंधित वकील या वादकारी को न्यायालय समय आवंटित करेगा। संबंधित वकील या वादकारी को सुनवाई के निर्धारित समय से दस मिनट पहले अपना मोबाइल, लैपटॉप, पीसी या टेबलेट तैयार रखना होगा। आवंटित समय पर उपस्थित न होने वाले वकील या वादकारी के मुकदमे में न्यायालय एक पक्षीय आदेश भी कर सकता है। यह स्पष्ट किया गया है कि इस प्रक्रिया में नो एडवर्स आर्डर का प्रावधान लागू नहीं होगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए जिस्टी मीट सफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा। उसका लिंक संबंधित वकील, वादकारी के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ई–मेल व एसएमएस से भेजा जाएगा। लिंक पर क्लिक करके इस सफ्टवेयर को डाउनलोड करना होगा। सॉफ्टवेयर डाउनलोड होते ही अधिवक्ता या वादकारी उच्च न्यायालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ जाएंगे। सुनवाई के लिए आवंटित समय से पांच मिनट पहले अधिवक्ता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम से जुड़ना होगा। इसके लिए एसएमएस से भेजा गया लिंक अपने मोबाइल या लैपटॉप के वेब ब्राउजर पर टाइप करना होगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए अधिवक्ता के पास एंड्रायड या एप्पल मोबाइल, आईपैड, पीसी, लैपटॉप आदि में से कोई एक उपकरण होना चाहिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से न्यायालय में उपस्थित होने वाले अधिवक्ता को उन सभी शिष्टाचार का पालन करना होगा जो खुले न्यायालय में मुकदमे में बहस करते समय किए जाते है। हालांकि उच्च न्यायालय ने वकीलों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान गाउन पहनने से छूट दी है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की प्रक्रिया केवल अति आवश्यक मामलों के लिए की गई है। ई–फाइलिंग की व्यवस्था पूर्व के निर्देशों के अनुसार होगी क्योंकि उच्च न्यायालय में मुकदमों की ई–फाइलिंग लंबे समय से होती आ रही है इसलिए इससे संबंधित सभी नियम पहले की ही तरह रहेंगे। वकीलों की सुविधा के लिए गेट पास के काउंटर भी बनाए गए है जहां से मदद प्राप्त की जा सकती है। उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर इस संबंध में व्यापक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं।

## आगरा में 36 और लखनऊ में चार नए मरीज मिले

लखनऊ। यूपी में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही है। लखनऊ स्थित केजीएमयू में जाँच के लिए ७४० नमूने भेजे गए थे। इसमें ४० लोग कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। अभी भी सबसे ज्यादा पजिटिव केस आगरा में मिले हैं। आगरा में कोरोना संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। लखनऊ के केजीएमयू में हुई जांच में ४० लोगों में कोविड १६ का संक्रमण पाया गया है। इनमें सबसे ज्यादा ३६ मरीज आगरा के हैं। इनमें १२ साल की एक बच्ची भी शामिल है। इनका वहां के अस्पताल में इलाज चल रहा है। चार मरीज लखनऊ के भी मिले हैं। इनमें से १८ साल की एक युवती भी संक्रमित मिली है। इन सभी का सिविल अस्पताल में इलाज चल रह है। एक मरीज का केजीएमयू में इलाज चल रहा है।

## साढे ६००० आयुश डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ कोरोना की जंग में जुटे

## भारत सरकार द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

**बनवारी लाल कुशवाह**

फिरोजाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आयुष विभाग के अधीन साढे ६००० आयुर्वेद, होम्योपैथ व यूनानी डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ भी कोरोना को हराने की लड़ाई में जुट गए है। भारत सरकार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण दिलाए जाने के बाद जिलों में महामारी से बचाव के कार्यों में लगाए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। राज्य आयुश मिशन के एमडी राजकमल यादव ने हमारे संवाददाता से फोन पर हुई खास बातचीत में बताया कि भारत सरकार की गाइडलाइंस, स्वास्थ्य विभाग आयुष मंत्रालय के विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन ट्रेनिंग प्रदान की गई है। जिसमें कोरोना वायरस इंफेक्शन से बचाव व रोकथाम के साथ कोरेंटाइन सुविधा प्रबंधन और अन्य प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया गया। इसकी निगरानी स्वयं प्रमुख सचिव आयुश प्रशांत त्रिवेदी द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि कई जनपदों में हाउसहोल्ड सर्वे , डेटा कलेक्शन, सामुदायिक जागरूकता संबंधी कार्यों में लगाया जा चुका है। सभी जनपदों में होम्योपैथ, आयुर्वेद व यूनानी चिकित्सकों व अन्य सहयोगी प्रशिक्षित स्टाफ की सूची जिलाधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। सभी का उपयोग जिलाधिकारी जनपद में आवश्यकता के अनुरूप कार्य करेंगे।

**जिलाधिकारियों को इनसे काम लेने के दिए निर्देश**

# सम्पादकीय

## प्राइवेसी बनाम रोग से सुरक्षा की बहस

कोरोना वायरस से फैली दहशत के बीच भारत सरकार द्वारा एक मोइाईल एप आरोग्य सेतु नाम का निर्माण कर लोगों को ज्यादा से ज्यादा अपने अपने मोबाई फोन में डाउनलोड करने को कहा जा रहा हैए चाहे आम अदमी हो या सरकारी कर्मचारी सभी को यह एप सभी को सह एप मोबाइलों में इन्सटॉल करने के लिए कहा जा रहा है। मगर यह एप सभी वर्जन के मोबाई पर सही से काम नहीं कर रहा है, इसमें अभी सुधार की भी जरूरत है। भारत में भी इन दिनों कोविड–१६ महामारी से लड़ने के लिए विकसित किए गए मोबाइल ऐप पर प्राइवेसी बनाम रोग से सुरक्षा की बहस चल पड़ी है। महामारी के फैलाव की गति उसे रोकने की सरकार की कोशिशों से तेज है। इसलिए सरकारें टेक्नोलजी की मदद ले रही हैं। भारत सरकार ने आरोग्य सेतु नाम का ऐप जारी किया है। सरकार पूरे देश के लोगों से उसे अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड करने के लिए कह रही है। सरकार का कहना है कि इस ऐप में कोविड–१६ से जुड़ी सभी जानकारी के अलावा एक बहुत ही काम का फीचर है। अगर इस ऐप को डाउनलोड करके आप अपने फोन का ब्लूटूथ और जीपीएस ऑन कर दें और ऐप पर अपनी लोकेशन शेयर कर दें, तो ऐप आपको बता देगा कि आप किसी कोविड–१६ पॉजिटिव व्यक्ति के पास गए थे या नहीं। गूगल प्ले स्टोर पर इस ऐप को एक करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। खैर भरत सरकार की देखादेखी कई राज्य सरकारें भी अपने अपने ऐप बना रही हैं और उनका इस्तेमाल कर रही हैं। मगर निजता यानी प्राइवेसी के अधिकार के लिए संघर्षरत कार्यकर्ताओं और विशेषज्ञों की राय है कि अगर सरकारों को इस तरह के ऐप का इस्तेमाल करना है, तो उन्हें इसके लिए एक कानूनी फ्रेमवर्क तय करना चाहिए। उसमें कुछ बातें स्पष्ट होनी चाहिए– मसलन, किस अधिकारी की इजाजत से ऐप के जरिए लोगों का डेटा लिया जा रहा है, लोगों का कौन–सा डेटा लिया जाएगा और कौन सा नहीं, ये कहां स्टोर होगा और किस–किस की इस तक पहुंच होगी इत्यादि। इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन नामक संस्था ने इसे चिंताजनक बताया है कि सरकारें मोबाइल के लोकेशन डेटा को इस्तेमाल करने का कानूनी आधार नहीं बता रही हैं। ये वक्त कठिन है। इस मौके पर सरकारों की चुस्ती तभी कामयाब होगी, जब उसके प्रति लोगों का मजबूत भरोसा हो। अब देखना यह होगा कि क्या सरकार संदेह पैदा करने वाले तमाम सवालों के संतोषजनक जवाब दे पाती है अथवा नहीं।

## सरकारी निर्माण कार्य १५ अप्रैल से होगा शुरू : उप–मुख्यमंत्री

लखनऊ। कोरोना वायरस के संक्रमण पर रोक लगाने के लिए २१ दिन के लॉकडाउन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार अपने कुछ काम शुरू करने जा रही है। इस सिलसिले में उप–मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि सरकारी निर्माण कार्य १५ अप्रैल से शुरू होगा। मौर्य ने कहा कि १५ अप्रैल से उत्तर प्रदेश में कंस्ट्रक्शन का काम शुरू होगा। इस दौरान लकडाउन के सभी नियमों का पालन किया जाएगा। केशव ने कहा कि इस दौरान मास्क के साथ ही कोरोना के संक्रमण से बचाव के जितने साधन हैं, उनका उपयोग हो और सभी नियमों का सख्ती से पालन हो। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे, हाईवे, पीडब्ल्यूडी के बड़े निर्माण कार्य के साथ ही अन्य विभागों के बड़े कार्य, जहां सभी कर्मचारी एक दायरे में कार्य

कर सकते हैं, कार्यो को आगे बढ़ाया जाएगा। इस दौरान तय किया गया कि कंस्ट्रक्शन साइट शुरू किए जाएंगे। फिलहाल, इन साइट पर ४० फीसदी मजदूर मौजूद हैं। मौर्य ने विश्वेश्वरैया भवन में गरीब एवं जरूरतमंदों के भूखा ना रहने के उद्देश्य से संचालित कम्युनिटी किचन सेंटर का भी निरीक्षण किया। साथ ही सफाई का विशेष ध्यान रखने और भोजन व राशन सामग्री वितरण के समय सोशल डिस्टेंसिग अनिवार्य रूप से बनाए रखे जाने का निर्देश दिया। लॉकडाउन, १५ अप्रैल व बाद की स्थितियों पर व्यापक चर्चा के लिए बुलाई गई इस बैठक में बैठक में यूपीडा, लोक निर्माण, ग्रामीण अभियंत्रण, परिवहन, नगर विकास, निर्माण निगम, सेतु निगम तथा जल निगम के उच्चाधिकारियों को बुलाया गया था। इस दौरान यह विचार किया गया कि निर्माण कार्य करने से पहले कौन–कौन सी समस्याएं आ सकती हैं और समाधान के लिए क्या करना होगा।

## यूपी में कोरोना संक्रमितों की संख्या 483 हुई, 46 हुए ठीक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले २४ घंटों में कोरोना संक्रमित ३१ नये मरीजों की पहचान के बाद राज्य में कोविड–१६ से संक्रमित मरीजों की तादाद बढ़ कर ४८३ हो गयी है जिसमें तबलीगी जमात के सदस्यों का संख्या २७२ है। स्वास्थ्य विभाग से मिले कोरोना संक्रमित मरीजों के आंकड़ों के अनुसार रविवार शाम छह बजे तक आगरा में १२, मुरादाबाद में एक, बागपत में दो, मेरठ में तीन फिरोजाबाद में चार सहारनपुर में सात, मथुरा में एक और मुजफ्फरनगर में एक मामला प्रकाश में आया है। इन ३१ लोगों में १८ तब्लीगी जमात से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक मिले कुल कोरोना संक्रमित मरीजों में पांच की मौत हो चुकी है जबकि ४६ पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि अब तक आगरा में १०४, लखनऊ में ३२, गाजियाबाद में २७, गौतमबुद्धनगर में ६४, लखीमपुर खीरी में चार, कानपुर में नौ, पीलीभीत में दो, मुरादाबाद में दो, वाराणसी में नौ, शामली में १७, जौनपुर में चार, बागपत में सात, मेरठ में ५५, बरेली में छह, बुलंदशहर में ११, बस्ती में नौ, हापुड़ में छह, गाजीपुर में पांच, आजमगढ में चार, फिरोजाबाद में १५, हरदोई में दो, प्रतापगढ में छह, सहारनपुर में २८, शाहजहांपुर में एक, बांदा में दो, महाराजगंज में छह, हाथरस में चार, मिर्जापुर में दो, रायबरेली में दो, औरया में तीन, बाराबंकी में एक, कौशांबी में दो, बिजनौर में एक, सीतापुर में १०, प्रयागराज में एक, मथुरा में तीन, बदायूं में दो, रामपुर में छह, मुजफ्फरनगर में पांच, अमरोहा में सात और भदोही में एक कोरोना पाजीटिव पाये गये हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना से मुक्ति पाकर स्वस्थ हुये मरीजों में आगरा के दस, गाजियाबाद के पांच, नोएडा के १३, लखनऊ के पांच और कानपुर, शामली एवं पीलीभीत का एक एक व्यक्ति शामिल है। इसके अलावा मेरठ में नौ संक्रमित ठीक होकर अस्पताल से छुट्टी पा चुके हैं। हालांकि इस अवधि में बस्ती, मेरठ,वाराणसी,आगरा और बुलंदशहर में एक एक मरीज की बीमारी से मौत हो चुकी है। आंकड़ों के अनुसार अब तक ११८५५ लोगों का टेस्ट किया गया जिसमें से ११२५० की रिपोर्ट निगेटिव आई है। ४८३ कोरोना संक्रमित पाये गये जबकि १२२ की रिपोर्ट आनी बाकी है। विदेश से आये हुए ७०१०८ लोगों में से ६६५५६ लोग २८ दिन की क्वारेंटाइन अवधि पूरी कर चुके हैं।

## योगी के मंत्री और अफसर १५ अप्रैल से संभालेंगे कामकाज

लखनऊ। जनता के बीच आत्मविश्वास बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों को १५ अप्रैल से काम पर आने को कहा है। इसके अलावा विभिन्न सेक्टरों में शुरू होने वाली गतिविधियों पर निगाह रखने के लिये छह कमेटियों का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को कहा "उत्तर प्रदेश में लाकडाउन की अवधि बढ़ाने के लिये उनकी सरकार केन्द्र के दिशानिर्देशों का पालन करेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डा. दिनेश शर्मा के साथ १७ अन्य मंत्रियों से टेली कांफ्रेसिंग के जरिये बैठक में सीएम योगी ने फैसला किया कि सभी मंत्रियों को १५ अप्रैल से कार्यालय आना चाहिये। उन्हें अपने प्रभार वाले जिलों के विकास कार्यो पर ध्यान देना चाहिये। उन्होंने कहा कि विशेष सचिव से ऊपर रैंक वाले अधिकारियों को भी कार्यालय आना चाहिये। मंत्री और प्रमुख सचिव फैसला करेंगे कि उन्हे किसकी जरूरत है। मुख्यमंत्री ने छह कमेटियों की स्थापना की भी घोषणा की जो प्रदेश में फिर से शुरू होने वाली विभिन्न गतिविधियों को देखेगी। सीए योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लाकडाउन को बढ़ाने के बारे में केन्द्र सरकार की गाइड लाईंस का पालन किया जायेगा। पहली कमेटी का नेतृत्व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य करेंगे जो निर्माण कार्य के अलावा सामाजिक दूरी बनाये रखने के काज को देखेगी। यह कमेटी सलाह देगी कि एक्सप्रेस वे और अन्य निर्माण कार्यो को सोशल डिस्टेसिंग

कायम रखते हुये किस तरह चालू किया जाये। डा. दिनेश शर्मा की अध्यक्षता में दूसरी कमेटी प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा समेत अन्य पाठ्यक्रमों को आनलाइन शुरू करने का काम करेगी। इस दौरान सोशल डिस्टेसिंग अनिवार्य होगी लेकिन सरकार शिक्षा में बाधा की इजाजत नहीं दे सकती, इसलिये यह कमेटी फैसला करेगी कि किस तरह ऑनलाइन पढ़ाई चालू की जा सके। मुख्यमंत्री योगी ने कहा " लाकडाउन ने अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रहार किया है, इसलिये वित्तमंत्री सुरेश खन्ना के नेतृत्व वाली कमेटी राजस्व संग्रह को सुचारू बनाने की समीक्षा करेगी। इस समिति सुनिश्चित करेगी कि राजस्व का संकट न रहे और किस तरह एमएसएमई का पुनरूद्धार किया जाये।" मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वो समय है जब कृषि कार्य चरम पर होता है, इसलिये चौथी कमेटी कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में गठित की गयी है जो किसानों की समस्यायों का निवारण करने के साथ फसल कटाई के काम को गति देगी। सीएम योगी ने कहा " सरकार ने ४७०० कंबाईंड मशीन किसानो को उपलब्ध करायी है। हमेंषि कार्य को मनरेगा के साथ जोड़ने की जरूरत है और यह कमेटी इसी काम को अंजाम देगी। गेंहू की खरीद १५ अप्रैल से शुरू होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि किसानों की उपज उसके खेत से ही न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा सके जिसे उसे घर से बाजार न आना पड़े। एक अन्य कमेटी स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बनायी गयी है जो सरकारी और निजी अस्पतालों को फिर से खोलने के तौर तरीकों को देखेगी।

# प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में तैनात शिक्षकों को आरोग्य सेतु ऐप डाउन लोड करना होगा

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद से संचालित प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में तैनात शिक्षकों को आरोग्य सेतु ऐप डाउन लोड करना होगा। ऐप डाउन लोड करने के बाद इसकी सूचना बीआरसी कार्यालय पर देनी होगी। अधिकारियों ने बताया कि सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। शिक्षकों से आरोग्य सेतु ऐप अनिवार्य रूप से डाउनलोड कराया जाना चाहिए। वहीं खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से आरोग्य सेतु ऐप डाउन लोड करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित करने को कहा गया है। लखनऊ और सीतापुर समेत कई जिलों में इस ऐप को शिक्षकों ने डाउनलोड भी किया, लेकिन ऐप को लेकर उठते सवालों के बीच डाउनलोड करने की प्रक्रिया काफी धीमी गति से चल रही थी। व्हाट्सऐप पर इस संबंध में मैसेज भी वायरल हुआ कि जो भी ऐप डाउनलोड करेगा उसकी पल–पल की लोकेशन सरकार को मिलती रहेगी। इसी कारण से कई जिलों के शिक्षक इसे प्रेरणा ऐप की तरह समझ रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने इस पर स्थिति साफ करते हुए कहा कि शिक्षक भ्रमित न हों सरकार के निर्देश का पालन करते हुए ऐप को अनिवार्य रूप से डाउनलोड करें। बता दें कि शिक्षा विभाग समेत अन्य विभागों की बात की जाए तो अभी तक करीब पौने चार करोड़ लोग इस ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं। आरोग्य सेतु ऐप को लेकर अधिकारियों का तर्क है कि सरकार ने कोरोना

वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए इस ऐप को लागू किया है। इसमें मुख्य रूप से इस ऐप के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने ट्विटर से इसके बारे में जानकारी देते हुए सभी भारतीयों से इसको डाउनलोड करने का आग्रह किया था।...ऐप से क्या हैं फायदे–कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने में मदद मिलेगी।–यह भी पता चलेगा कि आप किसी के संपर्क में तो नहीं आए।ए –ऐप एंड्रयड स्मार्ट फोन्स और आईफोन दोनों के लिए है।ए–हेल्प सेंटर्स और सेल्फ असेसमेंट टेस्ट जैसी जरूरी जानकारी मिलेगी।.. ब्लूटूथ और ऐक्सेस करने की देनी होगी अनुमतिए ऐप के डाउनलोड करते ही अपने मोबाइल नंबर, ब्लूटूथ और लोकेशन डेटा को ऐक्सेस करने की अनुमति देनी होगी। इसके जरिए यह ऐप पता लगाएगा कि आप कोरोना वायरस से कितना सुरक्षित हैं या वायरस संक्रमण का खतरा तो नहीं है। उसके बाद आप इस ऐप में अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर करें। रजिस्टर करते ही आपके फोन पर एक ओटीपी आएगा जिससे आपका नंबर वेरिफाई किया जाएगा। इसके बाद आप अपना नाम, उम्र, प्रोफेशन जैसे तमाम डीटेल्स ऐप में भरें। इस ऐप के जरिए आप कोरोना वायरस की लड़ाई में मदद करने के लिए वलेंटियर भी बन सकते हैं। सभी शिक्षकों को आरोग्य सेतु ऐप को डाउन लोड करने के लिए आदेश दिए गए हैं। इसके लिए जिले स्तर पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

# लॉकडाउन के चलते किसानों को आवागमन में कोई असुविधा नहीं हो : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि लॉकडाउन के चलते रबी की फसल की कटाई के लिए किसानों को हार्वेस्टिंग के लिए आवागमन में कोई असुविधा न हो और स्थानीय प्रशासन नियमों का सरलीकरण कर उनकी सहायता करें। योगी ने कहा है कि फसलों के प्रोक्योरमेंट तथा मण्डी की व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए। हर हालत में किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित किया जाए। वैकल्पिक क्रय के रूप में एफपीओ (कृषक उत्पादक संगठन) के माध्यम से गांव अथवा खेत से ही उपज की खरीद को प्रोत्साहित किया जाए। इस पूरी प्रक्रिया में सोशल डिस्टेंसिंग का अनिवार्य रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री रविवार को यहां अपने सरकारी आवास पर कोविड–१९ पर नियंत्रण के लिए आहूत एक बैठक में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा जनता को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से गठित ११ कमेटियों के अध्यक्षों (टीम–११) के साथ समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर योगी ने कहा कि उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, चिकित्सा, नर्सिंग, पैरामेडिकल आदि की शिक्षा में अनलाइन पढ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित और वृहद रूप दिया जाए, जिससे लॉक डाउन के कारण विद्यार्थियों की शिक्षा पर कोई प्रभाव न पड़े। उन्होंने कहा कि दूरदर्शन से सम्पर्क कर, इस माध्यम के उपयोग से भी शैक्षिक गतिविधियों को सुढ़ और प्रभावी बनाया जाए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश के लगभग सभी राज्य विश्वविद्यालयों ने अनलाइन पठन–पाठन प्रारम्भ कर दिया है। अनेक विषयों का ई–कन्टेंट तैयार कर निरन्तर अपलोड किया जा रहा है, जिन्हें विद्यार्थी घर पर ही आसानी से एक्सेस कर सकते हैं। इसके लिए अध्यापकों को प्रशिक्षित किया जा रहा हैं। इस प्रकार, लॉकडाउन की अवधि में विशेष ध्यान देकर यह प्रयास किया जा रहा है कि उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों का नुकसान न हो और वे घर पर ही सेमेस्टर की अवशेष पढ़ाई पूरी कर सकें। विद्यार्थियों के परीक्षा एवं शिक्षा सम्बन्धी तनाव एवं अवसाद को दूर करने के लिए विश्वविद्यालयों ने छात्रों की काउन्सिलिंग की व्यवस्था भी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रिम आदेशों तक किसी भी तरह के धार्मिक,सांस्कृतिक अथवा सामाजिक कार्यक्रम को सार्वजनिक रूप से आयोजित न किया जाए। आमजन घर पर ही धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न करें। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में विभिन्न महत्वपूर्ण पर्व आने वाले हैं। जनता इन पर्वों को घर में ही सम्पन्न करे। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रशासन व पुलिस, धर्म गुरुओं व अन्य गणमान्य व्यक्तियों से सम्पर्क कर आने वाले दिनों में पड़ने वाले पर्वों को लोगों द्वारा घर में ही मनाने के सम्बन्ध में अपील कराए। उन्होंने कहा कि समस्त सरकारी अधिकारी, कर्मचारी, छात्र, अभिभावक, शिक्षक सहित सभी लोग 'आरोग्य सेतु' ऐप को अपनाएं। इस तथ्य का व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाए कि 'आरोग्य सेतु' ऐप कोविड–१९ के संक्रमण से स्वयं को बचाने में उपयोगी है। इस ऐप से कोरोना संक्रमित व्यक्तियों से दूरी बनाने में भी सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी, मुनाफाखोरी के विरुद्ध कार्रवाई निरन्तर जारी रखी जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानदारों के विरुद्ध हुई कार्रवाई से किसी भी दशा में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित न होने पाए। सभी जिलाधिकारी इस सम्बन्ध में प्रभावी वैकल्पिक प्रबन्ध सुनिश्चित करें। उन्होंने अवैध शराब के विरुद्ध तीन दिन का विशेष अभियान संचालित कर रिपोर्ट उपलब्ध कराये जाने के निर्देश भी दिये। इस अवसर पर मुख्य सचिव आर के तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव कुमार मित्तल, अपर मुख्य सचिव राजस्व श्रीमती रेणुका कुमार, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एस पी गोयल एवं संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# केंद्रीय मंत्रियों दफ्तर पहुंचे, काम शुरू किया

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पूरे देश में लागू लकडाउन के दौरान अपने अपने घरों से काम कर रहे केंद्रीय मंत्रियों ने सोमवार से दफ्तर से कामकाज शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्रियों के साथ भारत सरकार में संयुक्त सचिव स्तर से ऊपर के अधिकारियों ने भी अपने अपने कार्यालय में कामकाज संभाल लिया है। असल में शनिवार को प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सभी मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को दफ्तर से काम करने को कहा गया था। लगभग सारे केंद्रीय मंत्री और संयुक्त सचिव स्तर से ऊपर के अधिकारी सोमवार को १६ दिन बाद काम पर लौटे। सभी मंत्रालयों में एक तिहाई कर्मचारियों के साथ और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए काम शुरू हुआ। कर्मचारियों को रोटेशन के आधार पर दफ्तर में आने के लिए कहा गया है। लगभग सभी सरकारी कार्यालयों में मंत्रियों, अफसरों और कर्मचारियों के प्रवेश करने से पहले थर्मल स्कैनिंग की गई। लगभग सभी सभी मंत्री मास्क पहने नजर आए। मंत्रालयों और कार्यालय में प्रवेश करने से पहले सभी गाड़ियों को भी सैनिटाइज किया गया। जानकार सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों से कहा गया है कि लकडाउन खत्म होने से पहले अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के उपायों पर विचार करें। बताया जा रहा है कि फिलहाल अफिस के आसपास रहने वाले कर्मचारियों को बुलाया गया है। जरूरी होने पर विभाग के दूसरे कर्मचारी और अधिकारियों को भी १५ अप्रैल से काम पर बुलाने की तैयारी हो रही है। बहरहाल, सोमवार को जिन मंत्रियों ने दफ्तर पहुंच कर कामकाज शुरू किया उनमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर, कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री थावरचंद गहलोत, अल्पसंख्यक मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, खेल मंत्री कीरेन रिजीजू शामिल हैं। सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने सोमवार को अपने मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें केंद्र सरकार की ओर से कोरोना महामारी के खिलाफ चलाई जा रही योजनाओं और उनके प्रचार–प्रसार की समीक्षा की गई। इसके बाद उन्होंने कहा कि महामारी से निपटने में डक्टर, नर्स, पुलिस, सफाईकर्मी और इस सेवा में लगे लोग फ्रंट लाइन वरियर बन कर उभरे हैं। मीडिया भी इस संक्रमण के दौरान फ्रंट लाइन वरियर की भूमिका में। उन्होंने कहा– मैं सभी मीडियाकर्मियों से अनुरोध करता हूं कि अपना ध्यान रखें और सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करें।

# सिर्फ गरीबों का मुफ्त में होगा टेस्ट

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण की मुफ्त जांच के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने बदलाव किया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि प्राइवेट लैब्स में कोरोना वायरस का फ्री टेस्ट सिर्फ गरीबों का होगा। जो लोग भारत सरकार की पहले से ही लागू आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आते हैं उनकी ही जांच प्राइवेट लैब्स में फ्री में होगी। इसके अलावा फ्री टेस्ट ऐसे लोगों का भी हो सकता है, जो सरकार की ओर से अधिसूचित समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में किसी भी वर्ग के हों। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकारी लैब में हो या निजी लैब में, सबकी जांच फ्री में होनी चाहिए। साथ ही अदालत ने कहा था कि सरकार ऐसा सिस्टम बनाए, जिससे निजी लैब्स के खर्च की भरपाई हो सके। इसके बाद निजी लैब्स ने सैंपल लेना और जांच करना बंद कर दिया था। वे चाहते थे कि यह स्पष्ट किया जाए कि उनका खर्च कौन भरेगा। इसके बाद सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में बदलाव किया। बहरहाल, सोमवार को अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में एक सप्ताह की अवधि में उचित दिशा निर्देश भी जारी किए जाएं। अदालत ने कहा कि निजी लैब्स कोरोना वायरस के टेस्ट के लिए उन व्यक्तियों से भुगतान लेना जारी रख सकते हैं जो इंडियन कौंसिल फॉर मेडिकल रिसर्स, आईसीएमआर की राय से तय किए गए परीक्षण शुल्क का भुगतान करने में सक्षम हैं। अदालत ने कहा है कि भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय निजी लैब्स में होने वाले जांच के खर्च की भरपाई के लिए जरूरी दिशा–निर्देश जारी कर सकता है। यह भी कहा है कि केंद्र सरकार फ्री जांच के बारे में सही तरीके से प्रचार करे ताकि दिशानिर्देश के तहत सभी योग्य लोगों को ये सुविधा मिल सके।

# कम्प्यूटर के सामने दिखावे की समीक्षा करने से हालात सुधरने वाले नहीं : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि कम्प्यूटर के सामने दिखावे की समीक्षा करने से हालात सुधरने वाले नहीं है। मुख्यमंत्री जी की टीम इलेवन एवं सत्ताधारियों को सड़क पर उतरकर समाजवादी पार्टी की तरह सीधी सेवा करनी होगी। कोरोना संकट में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा राशन वितरण और जनता की सहायता करने पर भाजपा सरकार मुकदमें दर्ज कराकर कौन सा जनहित का काम कर रही है? यह वास्तव में निंदनीय और अमानवीय कृत्य है। भाजपा अपने राजनीतिक स्वार्थ साधने में सभी नैतिक एवं लोकतांत्रिक मान्यताओं को जिलांजलि देकर अपना चेहरा कुरूप बना रही है। समाजवादी

पार्टी की सरकार में समाजवादी एम्बूलेंस सेवा १०८ और १०२ शुरू की गई थी। आज स्वास्थ्य आपातकाल के कठिन समय में ये सेवाएं वरदान साबित हो रही हैं। सरकार ने अगर इनके विस्तार की योजना को आगे बढ़ाया होता तो गांवों, कस्बों और शहरों में लोगों को ठेले और रिक्शे पर मरीजों को अस्पताल लेकर नहीं जाना पड़ता। सच तो यह है कि दूरदर्शी व्यवस्थाओं का महत्व आपदा के समय ही समझ में आता है। नाम या नम्बर बदलने पर भी इनसे जिनकी सहायता होती है या जिनका जीवन बचता है, वे सदैव इनके पीछे के मूल प्रेरक को ही याद करते हैं। समाजवादी सरकार की ऐसी जनकल्याण की व्यवस्थाओं की सफलता देखकर अपने कार्यों के प्रति बेहद संतोष और खुशी भी होती है।

# बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी ने शिक्षकों का किया आह्वान

लखनऊ। प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी ने' प्रदेश के सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों के प्रबंधन और शिक्षकों का आह्वान किया है कि वे लॉक डाउन के दौरान अपने कक्षा १ से कक्षा ८ तक के विद्यार्थियों को भी अनलाइन क्लासेज की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें ताकि बच्चों का अभ्यास भी बना रहे और वे शिक्षण की अनलाइन विधि ायों से परिचित भी हो सकें।जो शिक्षक ई–लर्निंग और ई–क्लासेज के बारे में अधिक जानकारी रखते हैं वे अपने साथी शिक्षकों को इन प्रक्रियाओं से जुड़ने में सोशल मीडिया के माध्यम से सहायता करें। डॉ द्विवेदी ने प्रदेश के सभी शिक्षकों से पी एम केयर्स फण्ड में स्वयं दान देने और अपने छात्रों के

अभिभावकों, मित्रों,रिश्तेदारों तथा समाज के अन्य लोगों को भी दान देने हेतु प्रेरित करने की भी अपील की है।

# अखिलेश यादव ने डॉ० भीमराव अम्बेडकर की १२९वीं जयंती पर देशवासियों को बधाई दी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ० भीमराव अम्बेडकर की १२६वीं जयंती १४ अप्रैल २०२० पर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए देशवासियों को बधाई दी है। अखिलेश यादव ने कहा है कि बाबा साहेब ने भारतीय संविधान के जरिए भारत में मानव समाज के लिए बराबरी की व्यवस्था प्रदान की। डॉ० अम्बेडकर ने सबको समान अधिकार की व्यवस्था भारतीय संविधान में की जिसके अन्तर्गत सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक, न्याय, विचार

अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता के लिए व्यक्ति की गरिमा सुनिश्चित की गई है। भारत के संविधान की उद्देशिका के अनुसार 'हम भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व–सम्पन्न समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।' अखिलेश यादव ने कामना की है कि बाबा साहेब के रास्ते पर चलते हुए प्रत्येक व्यक्ति का जीवन प्रकाशमय तथा उनका भविष्य उज्जवल हो।

# प्रसार भारती ने 'डीडी रेट्रो' नाम से एक चैनल किया लॉन्च

नई दिल्ली। कोरोना वायरस (कोविड–१९) के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के कारण विभिन्न टीवी शो की शूटिंग बाधित है। ऐसे में

विभिन्न ब्रॉडकास्टर अपने जनरल एंटरटेनमेंट चैनल्स पर अधिकतर पुराने शो ही दिखा रहे हैं। दर्शकों के मनोरंजन का ध्यान रखते हुए दूरदर्शन ने भी 'रामायण' और 'महाभारत' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों का एक बार फिर प्रसारण शुरू किया है। दूरदर्शन की इस पहल को काफी सफलता मिल रही है और दर्शक इन शो को बहुत पसंद कर रहे हैं। इस तरह के पुराने शो व कार्यक्रमों के द्वारा दूरदर्शन को मिल रही सफलता से उत्साहित होकर पब्लिक ब्रॉडकास्टर प्रसार भारती ने 'डीडी रेट्रो' के नाम से एक चौनल ही लॉन्च कर दिया है। अब दर्शक इस चौनल पर पुराने मशहूर टीवी प्रोग्राम जैसे–उपनिषद गंगा और चाणक्य आदि फिर से देख सकते हैं। फिलहाल यह चौनल डीडी फ्रीडिश पर उपलब्ध है। इस बारे में प्रसार भारती के सीईओ शशि शेखर वेम्पती ने कुछ दिनों पहले कहा था, 'रामायण और महाभारत को दूरदर्शन पर मिल रही सफलता के बाद कई धारावाहिक निर्माताओं ने हमसे संपर्क कर अपने पुराने शो का प्रसारण दूरदर्शन पर फिर से करने के लिए संपर्क किया है।' बता दें कि पिछले हफ्ते दूरदर्शन के दो जनरल एंटरटेनमेंट चौनल्स 'डीडी नेशनल' और 'डीडी भारती' शहरी क्षेत्रों और पे प्लेटफॉर्म्स पर टॉप टेन चैनल्स की लिस्ट में आ गए थे। रामायण, महाभारत और शक्तिमान आदि पुराने शो के दोबारा प्रसारण के साथ ही डीडी नेशनल 'अलिफ लैला' का प्रसारण भी फिर शुरू कर रहा है। दरअसल, इस पूरी कवायद के पीछे प्रसार भारती का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को लॉकडाउन के दौरान अपने पसंदीदा पुराने शो देखने को मिलें। गौरतलब है कि सूचना–प्रसारण मंत्रालय ने सभी डाइरेक्ट टू होम प्लेटफॉर्म्स और केबल ऑपरेटर्स को डीडी चैनल्स के साथ ही लोकसभा और राज्यसभा चौनल का प्रसारण सुनिश्चित करने के आदेश दिए थे।

# सीनियर न्यूज एंकर से हो गई ये चूक ३० अप्रैल की जगह ४० अप्रैल कह दिया

नई दिल्ली। पूरी दुनिया कोरोना वायरस के प्रकोप से लड़ रही है। भारत में भी कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए देशभर में २१ दिनों तक का लॉकडाउन है, जो १४ अप्रैल तक निर्धारित किया गया है। कई राज्यों के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद लॉकडाउन को १४ अप्रैल से बढ़ाकर ३० अप्रैल करने का फैसला लिया है। ऐसे में लॉकडाउन की वजह से घर में बैठे लोगों तक मीडिया पल–पल की जानकारी पहुंचा रहा है। लेकिन इस बीच, एक न्यूज

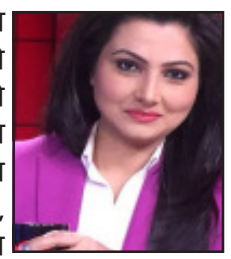

एंकर से बड़ी चूक हो गई, जिसका सोशल मीडिया पर लोगों ने जमकर मजाक उड़ाया। दरअसल, 'आजतक' की सीनियर न्यूज एंकर चित्रा त्रिपाठी लॉकडाउन से जुड़ी एक खबर को पढ़ रहीं थीं। इस खबर वे बता रहीं थीं कि पश्चिम बंगाल सरकार ने लॉकडाउन की सीमा बढ़ा दी है, जिसे १४ अप्रैल से बढ़ाकर अब ३० अप्रैल कर दिया गया है। हालांकि यहीं उनसे गलती हो गई। उन्होंने ३० अप्रैल की जगह ४० अप्रैल कह दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाने लगा।

# शराबी पति ने किया पत्नी का जीना मुहाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश... शराबी पति ने किया पत्नी का जीना मुहाल... कई वर्षों से शराब पीकर कर रहा है मारपीट... गत दिवस रात नशे में पड़ोस में रहने वाली लड़की के साथ भी की अभद्रता ए इस मामले में जेविएर सैमुएल उर्फ बंटू के खिलाफ उसकी पत्नी ने मुकदमे को थाने में तहरीर दी है. ...दो छोटे बेटों की खातिर मां किसी प्रकार मेहनत मजदूरी कर कर रही है अपने बच्चों का पालन पोषण...प्राइवेट स्कूल में नौकरी करके बच्चों को पढ़ा लिखा रही. ...मामला थाना आशियाना क्षेत्र के एलडीए कलोनी निकट पावर हाउस मकान नंबर.. सेक्टर एच.. १२००... का है जहां विवाहिता मोना उर्फ मैग्दिलीन अपने शराबी पति बंटू व दो बेटों के साथ किराए के मकान में रहती है... मोना ने बताया कुछ समय पहले भी कर चुका है जान से मारने की कोशिश.. घर में रखा देसी तमंचा संबंधित थाना की चौकी आशियाना पर तैनात चीता मोबाइल वालों को घर से ले जाकर करवाया था बरामद फिर भी बंटू पैसे ले देकर छूट गया था अब पत्नी के साथ साथ पड़ोस में रहने वाली लड़की खुशबू को भी दे रहा था आपत्तिजनक गाली.. जान से मारने की धमकी.. आपराधिक प्रवृत्ति का होने के कारण १ दिन भी पत्नी व बच्चों को सुकून से जीने का मौका नहीं दिया.. हमेशा अपनी पत्नी पर लगाता रहता है चरित्र हीनता के आरोप...गत दिवस देर रात्रि १ : ३० बजे थाना आशियाना में तहरीर देने पर विपक्षी के खिलाफ हुई एनसीआर दर्ज... घायल पत्नी को आज लोकबंधु अस्पताल मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया... जहां वह निरंतर अपने पति के अनैतिक क्रियाकलापों को लेकर निकटतम भविष्य में अपने व अपने दोनों बच्चों की जान के लिए परेशानी की अवस्था में नजर आई उसका कहना है कि यह कभी भी हम लोगों के साथ किसी बड़ी अपराधिक घटना को अंजाम दे सकता है।

# अम्बेडकर समिति के अध्यक्षों के साथ बैठक सम्पन्न

**मो० अरशद**

मऊ। जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनपद के अम्बेडकर समिति के अध्यक्षों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि १४ अप्रैल २०२० को भारत रत्न डा० भीम राव अम्बेडकर की जयन्ती मनायी जायेगी। लेकिन वर्तमान समय में कोविड–१९ महामारी के दृष्टिगत सभी जयन्तीध्समारोह को शासन स्तर पर स्थगित कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि आप सभी इस महामारी को दृष्टिगत रखते हुए बाबा साहब डा० भीम राव अम्बेडकर की जयन्ती अपने–अपने घरों में ही अपने परिवार के साथ मनायेगें। चट्टी चौराहों पर किसी भी प्रकार की भीड़–भाड नहीं करेंगे। उन्होने ने बताया कि डा० भीम राव अम्बेड़कर की जयन्ती पर अपने बच्चों को पढ़ाने का संकल्प लें और बाबा साहब के बताये हुए रास्तों पर चलने का प्रयास करें जिससे समाज में अच्छाईयां दिखाई दें। पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य द्वारा बताया गया कि जनपद में कोरोना वायरस से बचने के लिए हर प्रयास जारी है पुलिस सभी चौराहों पर खड़ी है, लाकडाउन का उलंघन किसी भी दशा में न करें जैसा कि आप सभी अवगत है कि इस वायरस का अभी कोई वैक्सिन तैयार नही हो पाया है समाजिक दूरी ही इसका बचाव है। उन्होने बताया कि इस महामारी में समाज के कुछ गलत व्यक्तियों द्वारा शासन प्रशासन से मिलता जुलता अपना एकाउन्ट बनाकर उसमें धनराशि जमा करने की अपील की जा रही है इस का विशेष ध्यान देने की जरूरत है किसी भी बहकावे में न आये और न ही दूसरों को आने दें। इस प्रकार की कोई शिकायत मिले तो शासन प्रशासन को सूचित अवश्व करें। उक्त अवसर पर अपर जिलाधिकारी केहरी सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी हंसराज, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र श्रीवास्तव, नगर पालिका अध्यक्ष तैयब पालकी, भीटी अम्बेडकर नव जागरण समिति की अध्यक्षा उषा भारती सहित समस्त अम्बेडकर समिति के अध्यक्ष उपस्थित रहें।

# सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निरन्तर क्रियाशील रहने चाहिए : जिलाधिकारी मऊ

**मो० अरशद**

मऊ। जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि जनपद की समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं समस्त नर्सिंग होम आपदा की आकस्मिकता के दृष्टिगत न्यूनतम क्रियाशीलता के साथ निरन्तर क्रियाशील रहने चाहिए। इस हेतु उत्तरदायी अधिकारीध्संस्थाध्व्यक्ति इस हेतु आवश्यक व्यवस्थाध्कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उक्त के अनिरिक्त १०२, १०८ एवं ११२ पी०आर०बी० सभी काल को एटेन्ड करें एवं सभी बीमार व्यक्ति को समीपस्थ उपचार केन्द्र पर पहुँचाना सुनिश्चित करेंगे।

# कन्ट्रोल रूम कलेक्ट्रेट में स्थापित

मो० अरशद, मऊ। कोविड–१९ महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में जनपद स्तरीय कन्ट्रोल रूम कलेक्ट्रेट में स्थापित किया गया है। कन्ट्रोल रूम का लैण्डलाइन नम्बर ०५४७–२२२१५६५ एवं ०५४७–२२२१७१३ तथा मो० नम्बर ९४५४४१७६९१ एवं टोल फ्री नम्बर १८००१८०४४३० को स्थापित किया गया है। यह सभी नम्बर २४ घण्टे चालू रहेंगे।

# राजधानी लखनऊ के सबसे बड़े डायग्नोस्टिक सेंटर को सीज किया गया

**अखिलेश दुबे**

लखनऊ। केजीएमयू ट्रामा सेंटर में कोरोना संक्रमित मिलने का मामलाट्रामा सेंटर के ६५ डॉक्टर ए और पैरामेडिकल को क्वॉरेंटाइन करने के बाद बड़ी कार्यवाही कर राजधानी लखनऊ के सबसे बड़े डायग्नोस्टिक सेंटर को सीज किया गया है। इस डायग्नोस्टिक सेंटर में एक्स–रे कराने गया था कोरोना मरीज जिस कारण डायग्नोस्टिक सेंटर के साथ एक हॉस्पिटल भी सीज किया गया है। आपको बताते चलें कि हॉस्पिटल ने प्राथमिक तौर पर किया था कोरोना पॉजिटिव मरीज का इलाज, डायग्नोस्टिक सेंटर और अस्पताल के डॉक्टर और पैरामेडिकल को क्वॉरेंटाइन करने का निर्देश, डायग्नोस्टिक सेंटर और हॉस्पिटल प्रशासन को सभी कर्मियों की सूची देने का निर्देश, राजधानी लखनऊ के सबसे बड़े चरक पैथोलजी को सील किया गया राजधानी लखनऊ में चरक डायग्नोस्टिक सेंटर की कई शाखाएं चरक डायग्नोस्टिक सेंटर की एक्स–रे करने वाली शाखा को सील किया गया।

# मुख्य विकास अधिकारी की बैठक सम्पन्न हुई

**मो० अरशद**

मऊ। मुख्य विकास अधिकारी राम सिंह वर्मा की अध्यक्षता में नोबल कोरोना वायरस की अपदा के दृष्टिगत नागरिकों के उपयोगार्थ डाक विभाग के कार्मिकों को प्रदत्त माईक्रो ए०टी०एम० की सहायता से शासकीय योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को डोर–स्टेपध्अपने ग्राम सभा में धनराशि का आहरण किये जाने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद के अन्तर्गत केन्द्र/प्रदेश सरकार की लाभार्थीपरक योजनायें जिसमें लाभार्थी को धनराशि सीधे उनके बैंक के खाते मे हस्तान्तरित की जाती है और लाभार्थी द्वारा बैंक जाकर धनराशि का आहरण किया जाता है। वर्तमान में नोबल कोरोना वायरस की आपदा के ष्टिगत केन्द्रध्राज्य सरकार के द्वारा कई प्रकार की धनराशियां लाभार्थियों के खाते में भेजी गयी हैं, जिसे आहरित करने के लिए लाभार्थियों की भीड़ बैंकों पर इकठठा हो रही है। कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया है कि लाकडाउन के दृष्टिगत बैंक में लगने वाली अनावश्यक भीड़ से बचने, लाभार्थी को सोशल डिस्टेंसिंग के तहत बैंक सुविधा उसके ग्राम सभा में दिये जाने हेतु पोस्ट आफिस विभाग के कार्मिकों (डाकियों) को प्रदत्त माईक्रो ए०टी०एम० सुविधा का लाभ दिया जायेगा। पोस्ट आफिस के कार्मिको द्वारा जनपद के ग्रामीण स्तर पर कार्मिक लाभार्थी के गांवध्घर जाकर माईक्रो ए०टी०एम० के माध्यम से किसी भी बैंक की धनराशि का आहरण कर लाभार्थी को उपलब्ध करायेगे। जिसके अन्तर्गत कोई भी लाभार्थी अपने खाते से दस हजार तक की धनराशि निकाल सकता है। उक्त अवसर पर जिला विकास अधिकारी विजय शंकर राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी विनोद यादव, परियोजना निदेशक मत्स्यनाथ द्विवेदी, जिला प्रोबेशन अधिकारी समार बहादुर सरोज, योगेन्द्र मौर्य अधीक्षक डाकघर आजमगढ़, आनन्द प्रधान डाक सहायक मऊ, विशाल रतन धनुवीर आई ०पी० पी०बी० मैनेजर, मऊ उपस्थित रहे।

# सरोजिनी नगर क्षेत्र मे सफाई करने पहुंचे नगर निगम के सफाई कर्मियों का भव्य स्वागत हुआ।

**अखिलेश दुबे**

लखनऊ। सरोजनी नगर इलाके में कोरोना वायरस के सम्मान की जबरदस्त तस्वीर देखने को मिली नगर निगम के सफाई कर्मी जैसे ही सरोजनीनगर इलाके मे सेनेटाइजेशन का काम करने पहुचे उसी समय आम लोगों ने और माई होम इंडिया संस्था के संयोजक राम प्रताप और उनकी टीम ने आरती उतारकर, फूलों की बारिश कर, घंटी और शंख बजाकर सफाई कर्मियों का अभिवादन किया, जिसके बाद संस्था और आम लोगों ने इन लोगो को खाने के पैकेट्स, फल और सेनेटाइजर दिया ताकि आम लोगों की जिंदगी को बचाने में लगे ये लोग कोरोना वायरस से खुद अपनी जिंदगी भी महफूज रख सकें, और सभी ने कहां की ये सफाईकर्मी और बड़े सम्मान के हकदार हैं लोगों ने अपील की कि सरकार, संस्थाओं और लोगों को इनके सम्मान के लिए आगे आकर धन्यवाद के साथ इन सफाई कर्मियों को समाज में मान सम्मान भी देना चाहिए।

# अक्षयपात्र व इंफोसिस के सहयोग से जरूरतमंदों को राशन मिलेगा

अखिलेश दुबे, लखनऊ। भारत के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह आज शाम वीडियो कन्फ्रेंसिंग करके इसकी शुरुआत करेंगे. देश के जाने माने उद्योगपति नारायण मूर्ति एवं सुधा मूर्ति ने लखनऊ के जरूरतमंदों की मदद के लिये हाथ बढ़ाया है राजनाथ सिंह के संसदीय क्षेत्र लखनऊ के लिये भी इन्होने २० हजार भोजन सामग्री किट उपलब्ध कराया है. एक किट में इतना राशन होगा कि एक परिवार को २१ दिन तक भोजन की पूर्ति हो सकेगी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस कार्य के लिए नारायण मूर्ति व सुधा मूर्ति के साथ अक्षयपात्र का आभार व साधुवाद व्यक्त करते हुए कहा की उनका ये सहयोग लखनऊ कभी नही भूलेगा।

# जिला अदालतों में होगी सिर्फ जरूरी मामलों की सुनवाई

**अखिलेश दुबे**

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय प्रशासन ने १५ अप्रैल से लॉकडाउन हटने पर प्रदेश के जिला न्यायालयों व अधिकरणों के लिए अग्रिम दिशानिर्देश जारी किए हैं। साथ ही उनका कड़ाई से पालन कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। महानिबंधक अजय कुमार श्रीवास्तव की ओर से जारी दिशानिर्देश में सभी जिला जजों और कमर्शियल कोर्टों व अधिकरणों के पीठासीन अधिकारयों से यह भी कहा गया है कि यदि लॉकडाउन जारी रहता है तो गत २५ मार्च के निर्देशों का पालन जारी रखा जाए। उच्च न्यायालय प्रशासन ने अधीनस्थ न्यायालयों से कहा है कि अदालत खोलने से पहले सेनिटाइजेशन किया जाए। साथ ही सीएमओ व डॉक्टरों की निगरानी में प्रतिदिन इसे जारी रखा जाए। अदालतों में केवल निर्णीत होने वाले या अतिआवश्यक मुकदमों की ही सुनवाई की जाए। इसके लिए संबंधित वकीलों से लिखित बहस ली जाए। संभव हो तो वीडियो कन्फ्रेंसिंग से सुनवाई हो। अदालत में चार कुर्सियां रखी जाएं और किसी वादकारी को बहस करने से न रोका जाए बशर्ते वह बीमार न हो। सभी लोग मास्क जरूर पहनें व उचित दूरी बनाए रखें। प्रत्येक मुकदमे की सुनवाई के बीच १० मिनट के समय का अंतर रखा जाए। इसके अलावा नियमित मुकदमों में तारीख लगाई जाए। परिसर में आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए। यह गाइडलाइन कोरोना वायरस से निपटने के लिए सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय की कमेटी के दिशा–निर्देशों के अनुसार जारी की गई है।

# अद्भुत विश्वविद्यालय : सुग्रीव हिन्दू विश्वविद्यालय

**अमरेन्द्र सहाय अमर**

आजकल दूरदर्शन के राष्ट्रीय चौनल पर रामायण महाभारत के साथ पुराने सीरियल्स की धूम है. इन सीरियल की बदौलत दूरदर्शन की कमाई भी बहुत बढ़ गयी है. पूरे देश में लाकडाउन होने के कारण बुजुर्ग से लेकर युवा और बच्चो को अपनी संस्कृति को देखने का अवसर मिला है. रामायण में सुग्रीव की भूमिका निभा रहे पात्र श्याम सुन्दर की अभी हाल में ही मृत्यु भी हुई है. इंडोनेशिया में रामचरित मानस के एक पात्र सुग्रीव के नाम पर पहली हिंदू यूनिवर्सिटी खोली गई है. इंडोनेशिया ने बाली में एक इंस्टीट्यूट को देश की पहले हिंदू विश्वरविद्यालय में बदल दिया है. प्रेजिडेंशियल रेगुलेशन के तहत बाली के देनपासर के हिंदू धर्म स्टेट इंस्टीट्यूट को देश की पहली हिंदू स्टेट यूनिवर्सिटी बना दिया गया है. इसके अनुसार इस विश्वदविद्यालय का नाम आई गुस्ती बागस सुग्रीव स्टेट हिंदू यूनिवर्सिटी रखा गया है. इंडोनेशिया में पहला हिंदू विश्व विद्यालय खोला गया है. इस विश्वेविद्यालय का नाम आई गुस्ती बागस सुग्रीव स्टेट हिंदू यूनिवर्सिटी रखा गया है. पहले इस विश्वीविद्यालय का नाम हिंदू धर्म स्टेट इंस्टीट्यूट था. अब इसे राष्ट्रपति जोको विदोदो ने एक प्रेजिडेंशियल रेगुलेशन के तहत पहली हिंदू विश्वाविद्यालय बना दिया है. इस रेगुलेशन के बाद इसका नाम आई गुस्ती बागस सुग्रीव स्टेट हिंदू विश्वेविद्यालय रखा गया है. यह रेगुलेशन वर्ष २०२० शुरुआती महीने यानि जनवरी में लागू किया गया है। गौरतलब है कि इंडोनेशिया सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश है. लेकिन, इंडोनेशिया की संस्कृति में रामायण रची–बसी है. ताजा रेगुलेशन का मकसद हिंदू उच्च शिक्षा को समर्थन और बढ़ावा देना है. बता दें इस विश्वशविद्यालय में 'एडमिनिस्टर हिंदू हायर ऐजुकेशन प्रोग्राम'के साथ–साथ 'हिंदू हायर ऐजुकेशन प्रोग्राम को सपोर्ट करने वाले'दूसरे हायर ऐजुकेशन प्रोग्राम भी होंगे. बताया जा रहा है कि यहाँ के सभी मौजूदा छात्रों और कर्मचारियों का इसमें ट्रांसफर कर दिया गया है. इसके साथ ही हिंदू धर्म स्टेट इंस्टीट्यूट की सभी प्रॉपर्टी भी अब **UHN** को हैंडओवर कर दिया गया है. यह इंस्टीट्यूट १९६३ में हिंदू धर्म के अध्यापन के लिए एक स्टेट अकादमी के तौर पर शुरू हुआ था. इससे बाद इसे १९९६ में हिंदू रिलीजन स्टेट कॉलेज में बदला गया और फिर २००४ में **IHDN** में बदला गया. उन्होने बताया कि इंडोनेशिया में हिंदू मान्यताओं के लिहाज से यह ऐतिहासिक पल है. उन्होंने कहा कि स्पष्ट है कि राष्ट्रपति जोकोवी ने बाली में हिंदू ऐजुकेशन संस्थानों पर विशेष ध्यान दिया है. इंडोनेशिया आबादी के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है.मुस्लिम देश होने के बावजूद वहां पर हिन्दू धर्म को लेकर काफी कुछ देखने को मिलता है . ऐसा माना जाता है इंडोनेशिया अपनी पहचान रामायण काल से ही भारत के साथ जोड़ता है. राम चरित मानस में इंडोनेशिया के कई स्थानों का जिक्र मिलता है. इंडोनेशिया में आज भी रामलीला खेली जाती है. रामलीला खेलने वाले मुस्लिम सम्प्रदाय से आते हैं. यहाँ की रामलीला पूरे विश्व में प्रसिद्ध है कहा जाता है इंडोनेशिया के लोग अपना पूर्वज श्री राम को मानते हैं।

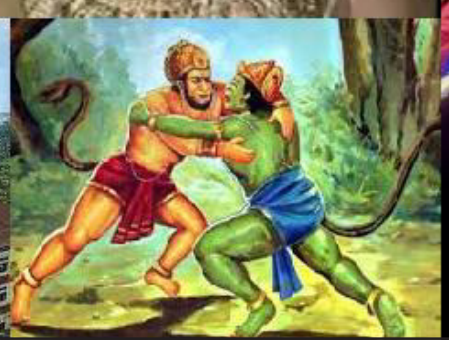

## बैंकों में नहीं हो रहा शारीरिक दूरी का पालन, सटकर खड़े रहे लोग

## लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़- जिम्मेदार कौन

**बनवारी लाल कुशवाहा**

शिकोहावादः लॉक डाउन के चलते सोमवार को सुबह ९ बजे बैंक खुलते ही बेपरवाह लोग

लॉक डाउन के चलते शारीरिक दूरी के नियम कानून बिल्कुल भूल गए। बैंक खुलने से पहले ही शहर के सभी बैंकों के आगे लंबी कतारें लगी नजर आने लगी। लोग लाइनों में बिना कोई दूरी बनाए एक–दूसरे के साथ सटे खड़े हुए दिखाई दे रहे थे। बैंक तो खुले लेकिन शारीरिक दूरी गायब होकर रह गई। इन्हें कंट्रोल करने के लिए पुलिस कर्मी भी लगाए गए। नगर के पक्का तालाब स्थित बैंक आफ इंडिया, एटा रोड स्थित सैंट्रल बैंक पर लॉकडाउन बेअसर साबित हो रहा है। सोमवार को बैंकों पर पैसे निकालने के लिए उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जिसके लिए नगर में कई सेंटर पर रूपये वितरण किए जा रहे हैं। गोपाल डेरी के पास बनाए गए सेंटर पर सुबह से ही लोगों की भारी भीड उमड पडी। बैंक आफ इंडिया, सैंट्रल बैंक पर शारीरिक दूरी का पालन नहीं किया गया। यहां आने वाले लोगों के लिए बिना हाथ धुलवाए, बिना सैनिटाइज कराए बैंक में प्रवेश दिया जा रहा है। जो गंभीर लापरवाही एवं लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ साबित हो सकता है। गौरतलब है कि हाल ही में सरकार द्वारा तिहाडी मजदूरी और जनधन योजना के खातों में एक एक हजार रुपए और ५०० रूपये भेजे गए हैं। जिसे निकालने के लिए काफी संख्या में लोग बैंकों के बाहर लाइन में खड़े दिखे। इतना ही नहीं बैंकों में पैसा निकालने के लिए वह लोग भी पहुंचे जिनके खातों में पैसा आया भी नहीं है।

## बच्चों व गर्भवती महिलाओं के लिए पोष्टिक भोजन का वितरण शुरू

शिकोहाबादः कोरोना के खिलाफ जंग में सभी लोग बढचढकर हिस्सा ले रहे हैं। वही शासन भी लोगों तक जरूरी वस्तुऐं उपलब्ध करा रहा है। बाल विकास परियोजना के तहत पुष्टाहार काक ग्रामीण अंचल में बच्चों, गर्भवती महिलाओं को प्रदान करने के लिए तीन गाडियों को तहसील परिसर से सोमवार को क्षेत्रीय विधायक डा मुकेश वर्मा, एसडीएम एकता सिह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में आंगनबाडी मे काम करने वाली आंगनबाडी कार्यकर्ताओं की सहायता से जनपद की ४० हजार ४ सौ ४४ गर्भवती महिलाओं, बच्चों को मीठा दलिया, नमकीन दलिया, वीनिंग, लडडू प्रीमिक्स प्रदान किया जायेगा। उपजिलाअधिकारी ने कहा कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए सरकार सभी प्रयास कर रहे हैं जिससे लोगों को अधिक से अधिक मदद कराई जा सके। इसके तहत सभी को दलिया व अन्य पोष्टिक वस्तुऐं प्रदान की जायेगी।

## भाजपा सभासद के निधन पर विधायक ने जताया शोक

**बनवारी लाल कुशवाहा**

शिकोहाबादः भाजपा के वार्ड नम्बर आठ से सभासद श्यामबाबू कुशवाह का सोमवार को आकस्मिक निधन होने से भाजपाईयों में शोक की लहर दौड गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डा मुकेश वर्मा ने सभासद के निधन पर उनके घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और कहा कि भाजपा ने एक मजबूत कार्यकर्ता को खो दिया है। कुशवाह वर्तमान में नगर पालिका में वार्ड नम्बर आठ के सभासद थे। वह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। सांत्वना देने के दौरान भाजपाईयों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया। शोक व्यक्त करने वालों में विशाल गुप्ता, ज्ञानेन्द्र जैन, विष्णू सक्सैना, सीए अवधेश पाठक, दयाशंकर गुप्ता, सुशील जैन, विजय बहादुर राठौर, सुशील यादव, डा रामकैलाश यादव, मनोरमा गुप्ता आदि लोग मौजूद थे।

# व्यापार मंडल के दो गुट आपस में भिड़े

## उपजिलाधिकारी व सीओ के पहुचंते ही हुआ मामला शांत

**बनवारी लाल कुशवाहा**

शिकोहाबादः नगर के बाजारों में प्रशासन ने कोरोना महामारी से बचने के लिए शारीरिक दूरी एवं मास्क के प्रयोग पर खासा जोर

दिया है । जिन दुकानों के सामने गोले नहीं बने थे और भीड़ लगी हुई थी। वहां पर प्रशासन ने गोले बनवाए हैं। वहीं आज सोमवार को बडा बाजार गुड़ मंडी में दुकानदार आपस में भिड़ गए। सूचना पर पहुंचे अधिकारियों के पहुचने पर मामला शांत हो गया। बडा बाजार गुड़ मंडी में सुबह ७ बजे के करीब एक थोक व्यापारी ने दुकान खोलने का प्रयास कर रहा था वहीं पास में रिटेलर व्यापारी जब देखा तो उसने मना किया। तभी व्यापारी मे आपस में तीखी झड़प हो गई। देखते ही देखते वहां दो व्यापारियो के गुट आमने सामने आ गये। और जमकर एक दूसरे को गॉली गलोच करने लगे। मामला बढ़ता देख लोगों ने अधिकारियों को फोन से अवगत कराया। सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी एकता सिंह, सीओ इंदु प्रभा सिंह, तहसीलदार सत्यप्रकाश और थाना प्रभारी अनिल कुमार भी मय फोर्स के घटनास्थल पर पहुंच गए। लेकिन तब तक व्यापारियो का झगड़ा शांत हो गया। जिसके बाद अधिकारियों ने लाउडस्पीकर के माध्यम से व्यापारियों को बताया कि दुकान खोलनी है तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें । वही जो समय निर्धारित है , उसी समय खोलें। अन्यथा की स्थिति में कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि आगे यदि झगड़े की बात सामने आती है, तो दोनों पक्षों को विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया जाएगा।

# ग्रामों में समाजसेवी संस्था ने सैनिटाइजर करने का उठाया बीड़ा

**बनवारी लाल कुशवाहा**

शिकोहाबादः देश में चल रही कोरोना महामारी को लेकर लोग घरों में रहने को मजबूर है। वही ग्रामीण अंचलों में गरीब लोगों के सामने रोजी–रोटी की समस्या पैदा हो गई है। तथा जो लोग हर रोज कमाकर खाद्य सामग्री आदि लाते थे या फिर जो लोग बाजार नहीं जा पा रहे हैं, उनके सामने काफी बड़ी समस्या उत्पन्न हो चुकी है। इसको लेकर सामाजिक संगठन एवं कई एनजीओ इन लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में प्रेमप्रकाश चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सोमवार को ग्राम सजैती, नगला इंची एवं आसपास के क्षेत्रों में सैनिटाइजर करने का बीड़ा उठाया है। वहीं नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कल्पतरु ट्रस्ट, रोटी बैंक, युवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दर्जनों लोगों को खाद्य सामग्री एवं राशन का वितरण किया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि अनेक ग्रामीण बाजार बंद होने के कारण खाने की वस्तुएं नहीं ला पा रहे हैं, ऐसे में उनके सामने खाने की समस्या पैदा हो रही है। इस मौके पर धर्मेंद्र कुमार यादव, ड पीएस राना, अवनीश कुमार, रंजीत यादव, डॉ वरुण कुमार यादव, पंकज यादव, मंजेश यादव, पूरन सिंह, घनश्याम आदि थे। वहीं युवा मोर्चा भाजपा के आलोक कुमार राठोर, अभिषेक राठौर, कमलेश तोमर , कमल किशोर , मुकेश कुमार के अलावा अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# ठाकुर जी की रसोई ने उठाया बीड़ा, शहर में नहीं रहेगा कोई भी भूखा

**बनवारी लाल कुशवाहा**

शिकोहाबादः मानवीय सेवाओं को समर्पित श्याम मित्र के सभी सदस्य इस मुश्किल घड़ी में संकल्प लिया है। निर्धन असहाय लोगों को लॉकडाउन के दिन से लॉक डाउन की समाप्ति तक भोजन व्यवस्था लोगों के घर तक पहुंचाई जाएग इस मौके पर ठाकुर जी की रसोई संस्थापक शानू चौधरी ने कहा कि हमारा ट्रस्ट के सभी सदस्य इस कार्य के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह रोज प्रतिदिन भोजन लेकर पूरे शहर में घूमते हैं और जहां परेशान असहाय निर्धन लोग दिखते हैं तो उनको भोजन व्यवस्था करते हैं। साथ ही हमारा प्रशासन रात दिन मेहनत से अपनी ड्यूटी कर रहा है। उसके लिए भी भोजन व्यवस्था की जाती है। ट्रस्ट का उद्देश है नगर में कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए। ट्रस्ट के सदस्य प्रतिदिन १६०० पैकेट नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी भोजन व्यवस्था कर रहे है। साथ ही लोगों को शोशल डिस्टेंसिग के लिये लोगों को जागृत कर सरकार द्वारा कोविड १६ के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान मे ट्रस्ट हर संम्भव मदद कर पूर्णतह सहयोग कर रहा है। इस मौके पर पवन, हरदेस यादव, अनिल यादव, रितिक यादव, साजिद कुरैशी संजीव वर्मा, सभी लोगो का विशेष सहयोग रहा है

# मानससेवा समिति ने मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराए एक लाख दस हजार रूपये

**बनवारी लाल कुशवाहा**

शिकोहाबादः धार्मिक कार्यक्रम को समर्पित श्री मानस सेवा समिति

के तत्वाधान में अध्यक्ष राजपचोरी के नेतृत्व में कोरोना से पीडित को मदद देने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में एक लाख दस हजार रूपये का चौक प्रदान किया है। पदाधिकारियों ने एसडीएम को मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए चौक सौपा। वही कोल्ड व्यवसाई ठा मुकुल सिह ने भी ११ हजार का चौक मुख्यमंत्री राहत कोष व ५ हजार का चौक पीएम राहत कोष में दान दिया है। एसडीएम एकता सिंह ने सभी के सहयोग के लिए दान दाताओं का धन्यवाद दिया है। ठा अश्वनी कुमार कुमार डेयरी, रमेश बंसल, डा संजीव माथुर, संजीव अग्रवाल रामशरण पाल, केशवदेव गुप्ता, सतेंद्र चौहान, राजवीर सिंह, डा देवेन्द्र वशिष्ठ, सुरेश चंद्र अग्रवाल, सतीश चन्द्र गुप्ता, संजय गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, सुखवीर सिंह, कमलेश यादव, विमल, नरेंद्र चंदेल, धर्मेंद्र वशिष्ठ, प्रमोद कुमार, विजेंद्र सिंह, ब्रजेश झावर, बकेलाल, नंद किशोर, रामवीर सिंह, लाला आदि लोग मौजूद थे।

# कल्पतरु ट्रस्ट ने असहायों का भर रहा है पेट

**बनवारी लाल कुशवाहा**

शिकोहाबाद। मानवीय सेवाओं को समर्पित कल्पतरू ट्रस्ट के सभी सदस्य इस समय पूरी मुस्तैदी से लगे हुए हैं। ट्रस्ट ने संकल्प लिया है कि निर्धन, असहाय लोगों को लक डाउन की समाप्ति तक भोजन व्यवस्था उनके घर तक पहुंचाई जाएगी और सड़कों पर भूखी प्यासी गौ माता को भी चारा खिलाया जा रहा है। इस मौके पर कल्पतरु ट्रस्ट के संस्थापक कृष्ण कुमार खंडेलवाल ने कहा कि ट्रस्ट के सभी सदस्य इस कार्य के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह प्रतिदिन भोजन लेकर पूरे शहर में घूमते हैं और जहां परेशान असहाय निर्धन लोग दिखते हैं तो उनको भोजन व्यवस्था करते हैं । ट्रस्ट के सदस्य प्रतिदिन ३०० से ३५० पैकेट नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी भोजन व्यवस्था कर रहे है। साथ ही लोगों को शोशल डिस्टेंसिग के लिये लोगों को जागृत कर सरकार द्वारा कोविड १६ के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान मे ट्रस्ट हर मदद कर रहा है।

## फिरोजाबाद में कोरोना संक्रमितों की संख्या हुई १८

# दो और मिले कोरोना पजिटिव केस

**बनवारी लाल कुशवाहा**

फिरोजाबाद। जिले में संक्रमितों की तादाद हर रोज बढ़ती जा रही है। शहर में दो और लोग कोराना से संक्रमित मिले हैं। इन दोनों की रिपोर्ट १० अप्रैल को जांच के लिए गई थी । अब इन दोनों की मिली रिपोर्ट में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके दीक्षित ने दोनों को कोरोना की पुष्टि की है। इसमें ३० वर्षीय एक युवक जमातियों के संपर्क में आया था, इस युवक को मेडिकल कलेज के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है। जबकि कन्नौज निवासी २७ वर्षीय एक युवक शहर के ही एक मोहल्ले में रह रहा था। वह भी कोराना से संक्रमित मिला। इस युवक को एफएच मेडिकल कलेज में भर्ती कराया गया है। कन्नौज से आया युवक जमात से जुड़ा बताया गया है। इस तरह कोराना से संक्रमित मरीजों की संख्या जिले में अब १८ हो गई है।

# आवारा जानवरों के आतंक से परेशान किसान

**कृष्ण कुमार शुक्ला**

मितौली–खीरी। तहसील क्षेत्र के दर्जनों ग्राम सभाओं के किसान आवारा जानवरों के आतंक से परेशान है। आलम यह है कि सार्वजनिक खुली जगहों से लेकर सड़क के तिराहा चौराहा पर इनका जमावड़ा लगा रहता है और दिन तथा रात में किसानों के खेतों में पहुंच कर किसानों की खून पसीने की गाढ़ी कमाई से तैयार उनकी गेहूं व गन्ने की फसलों को पल भर में नष्ट कर दे रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय किसानों में जिम्मेदारों की उदासीनता को लेकर खासा रोष व्याप्त है। मितौली कस्बा, लखीमपुर मैगलगंज मार्ग कचियानी चौराहा, रतहरा, खुर्दा, बबौना, कस्ता कस्बा,कस्ता चौराहा, वीरमपुर, पिपरझला सहित दर्जनों गांवों के ग्रामीणों ने बताया कि हमारे गांवो में आवारा जानवरो का आतंक इस कदर बढ़ चुका है कि अब किसानों से लेकर सड़को पर चलने वाले

दो पहिया चार पहिया वाहनों से टकराकर ग्रामीण चोटिल व अपाहिज हो रहे हैं। आये दिन समाचार पत्रों में खबरे भी प्रकाशित हो रही है लेकिन जिम्मेदार है कि इन आवारा पशुओं के अंकुश लगाने में निरंकुश साबित हो रहे हैं और सरकार भी किसानों व ग्रामीणों की इस विषम समस्या का हल नही निकाल पा रही है। वहीं जिन गांवो में पशुआश्रय केंद्र बने भी है उनसे भी आवारा मवेशी बाहर निकल आते हैं और किसानों की फसल पर धावा बोल देते हैं। सड़कों पर चलने वाले मुसाफिरों के वाहनों से टकराकर उन्हें जख्मी व अपाहिज बना देते हैं कई गांवो के किसानों के ऊपर हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। बावजूद उसके भी जिम्मेदारों के कानों पर आखिर जू क्यो नही रेंग रही है? वहीं प्रदेश सरकार भी इन आवारा पशुओ के आतंक पर अंकुश नही लगा पा रही है और अन्नदाता किसान दाने दाने को मोहताज हो रहा है। लेकिन अन्नदाता किसान आखिर अपने मन की बात कही भी तो किससे और उनके दिलों का दर्द सुने भी तो कौन?

# कलाकारएसोसिएशन के फाउंडर वरिष्ठ रंगकर्मी विजय तिवारी का निधन

**राकेश पाण्डेय निश्छल**

लखनऊ। लखनऊ के दर्पण के वरिष्ठ कलाकार सभी रंगकर्मियों के विजय भाई ने दुनिया से अलविदा कह दिया,हरफनमौला रंगकर्मी विजय तिवारी ने लखनऊ के ट्रामा सेन्टर में अन्तिम सांस ली,हाई बल्डप्रेशर और हाई शूगर के चलते उन्हे लखनऊ के ट्रामा सेंटर लाया गया था,इस दौरान उन्हे ब्रेनहेमरेज गया था, जहां इलाज के दौरान शनिवार रात्रि ग्यारह बजे चिकित्सकों ने उन्हे मृत्य घोषित कर दिया। विजय तिवारी मशहूर नाट्य संस्था दर्पण से ४७ वर्षों से जुडें रहे। वो यहां के अजीवन सदस्य थे और मौजूदा समय में प्रस्तुति नियंत्रण की जिम्मेदारी निभा रहे थे। प्रचारक, प्रस्तुति नियंत्रक, म्यूजीशियन, अभिनेता, निदेशक जैसी रंग सेवाओं के लिए स्वर्गीय तिवारी को अभी हाल मे ही संगीत नाटक अकादमी सम्मान ने नवाजे गया था। उत्तर प्रदेश कलाकार एसोसिएशन के फाउंडर भी थे,लॉकडाउन का पालन और सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखते हुए रविवार को लखनऊ स्थित गुलाला घाट में इनका अंतिम संस्कार किया गया। विजय तिवारी नें बहुत से नाटकों में और फिल्मों में अभिनय किया है। रंगकर्मी विजय तिवारी के निध न से सभी रंगकर्मियों में शोक की लहर है। वरिष्ठ रंगकर्मी..

गोपाल सिन्हा ने कहा विजय का अचानक निधन नगर के रंगकर्म के लिए , दर्पण संस्था के लिए और व्यक्तिगत स्तर पर बहुत बड़ी हानि है। विजय के अस्पताल में भर्ती होने के बाद से लगातार यही लग रहा था कि वह जल्दी से ठीक हो जाएंगे और अपने घर वापस आ जाएंगे। कल एम आर आई की रिपोर्ट के बाद थोड़ी चिंता हुई थी लेकिन फिर भी विश्वास था दुआएं थी कि विजय जल्दी से स्वस्थ होगें,, लेकिन शायद ईश्वर को हमारी दुआएं कुबूल नहीं थी। बहुत याद आओगे विजय। ... राधेश्याम सोनी...दर्पण ने विजय तिवारी जी जैसे महत्वपूर्ण कर्मठ साथी को खो दिया. वो तीन दिन से मेडिकल कालेज के ICU थे. उन्हें ब्रेनहेमरेज हो गया था. आज रात्रि लगभग ११ बजे उनका निधन हो गया. विजय तिवारी जी के बिना हम दर्पण की कल्पना नहीं कर सकते. रंगजगत में और प्रेस में सभी विजय तिवारी जी से परिचित थे. उनके असामयिक निधन से हम सब स्तब्ध हैं. कुछ बोल लिख पाने की स्थिति में भी नहीं हैं ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। राकेश पाण्डेय नें कहा हमने अपने एक भाई को आज खो दिया है, और दर्पण ने विजय तिवारी जी जैसे महत्वपूर्ण कर्मठ साथी को खो दिया।..करूण सागर और डाक्टर अनिल रस्तोगी ने कहा इस वक्त कुछ भी कहने के लिए हमारे पास कोई शब्द नहीं हैं।

# इंसानों के अलावा जानवरों के भी बने मसीहा एसएचओ मैगलगंज

**कृष्ण कुमार शुक्ला**

लखीमपुर–खीरी। मैगलगंज पुलिस के सीने में सिर्फ मानवता है नहीं जानवरों के लिए भी होता है एक अहसास भरा दिल। ये बात चरितार्थ कर दिखाया मैगल गंज खीरी कोतवाली में तैनात इंस्पेक्टर चन्द्र कांत सिंह ने। इन दिनों देश और दुनिया करना महामारी के संकट से जूझ रही है लक डाउन के चलते भुखमरी की कगार पर न सिर्फ इंसान बल्कि बेजुबान जानवर भी पहुंच गए है। नागरिकों कि सुरक्षा और संकट से बचाव में समर्पित इंस्पेक्टर चन्द्र कांत सिंह न केवल इंसानों को जरूरत की सामग्री बिना किसी ढिंढोरा के लोगों तक पहुंचते है बल्कि बेजुबान सैकड़ों बंदरों को भी खाना खिलाना नहीं भूलते। आज जब इंसान एक दूसरे के खिलाफ नफरतों का जहर उगल रहा है ऐसी परिस्थितियों में इंस्पेक्टर चन्द्र कांत सिंह का सेवा भाव न सिर्फ पुलिस विभाग बल्कि समुची इंसानियत के लिए प्रेरणस्रोत है। लोगों के प्रति पारदर्शी विचारध ारा और न्याय प्रिय नजरिया मैगल गंज क्षेत्र की जनता के लिए वरदान मानी जाती है क्षेत्र कि जनता इस्पेक्टर चन्द्र कांत सिंह को इस युग का अवतार मानती है। मृदु भासी, चेहरे पर सदैव मुस्कान रखने वाले मैत्रीपूर्ण संबंध ा बनाने में निपुड सी के सिंह मैगलगंज क्षेत्र में बहुत ही कम समय मंर लोकप्रियता हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। चन्द्र कांत सिंह के कुशल नेतृत्व की सराहना और खुशी सिर्फ मैगल गंज थाना क्षेत्र की जनता में ही नहीं बल्कि कोतवाली में तैनात समूचे पुलिस स्टाफ में भी देखी जा रही है। इंस्पेक्टर की कुशलता और दूरदर्शिता से उच्च अधिकारी भी संतुष्ट नजर आ रहे है। इंस्पेक्टर चन्द्र कांत सिंह की कार्यकुशलता पर न सिर्फ जनपद खीरी बल्कि पूरी यूपी पुलिस को नाज है। कोतवाली मैगलगंज के एस आई मदन पाल राणा व एस आई लाल बहादुर कटारिया व महिला कांस्टेबल बेबी ने मढ़िया घाट पहुंचकर वहां बंदरों व कुत्तों को भोजन कराया आपको बताते चलें कि लक डाउन होने के कारण दानदाता मढ़िया घाट पर नहीं पहुंच रहे हैं लेकिन मैगलगंज पुलिस लगभग नियमित रूप से पहुंचकर वहां के महात्मा जी के साथ ही बंदरों , कुत्तों,व गौ माता के भोजन की व्यवस्था की है जो बहुत ही सराहनीय है।

# कांग्रेस सांझी रसोई लगातार वितरित कर रही लंच पैकेट

**कृष्ण कुमार शुक्ला**

गोला गोकरननाथ खीरी। कैंप कार्यालय भारत भूषण कलोनी गोला गोकरननाथ खीरी में कांग्रेस सांझी रसोई का ११वां दिन पर लगभग ३२० लंच पैकेट बना करके जिसमें से गोला गोकरननाथ के मोहल्ला मरघट रोड पर गरीब बस्ती में लगभग ढाई दर्जन गरीबों को लंच पैकेट वितरित किए गए लगभग २०० लंच पैकेट रसोई से ही गरीब बच्चे महिलाएं पुरुष सब अपने आप लाकडाउन का अनुपालन करते हुए अलग–अलग खड़े हो करके लंच पैकेट प्राप्त करके अपने–अपने घर चले गए शेष लगभग गोला देहात के अलग–अलग जगहों परष् कांग्रेस सिपाहीष् की टीम ने घर–घर वितरित किए कोरोना जैसी महामारी बीमारी से निपटने के लिए शासन के निर्देश पर चल रहे लाकडाउन को देखते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश माननीय श्रीमती प्रियंका गांधी के आवाहन पर अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी माननीय विधायक अजय कुमार लल्लू भैया के दिशा निर्देश पर जिला प्रभारी सचिव उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी माननीय कुमुद गंगवार जी की देखरेख में अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी प्रहलाद पटेल के नेतृत्व में पूरे जनपद में अलग–अलग स्थानों पर कई ष्कांग्रेस साझी रसोईष् संचालित हैं और आने वाले समय में भी यह रसोई संचालित रहेगी प्रशासन से भी काफी सहयोग प्राप्त हो रहा है इधर सभी कांग्रेस सिपाहियों से अपील भी जारी है कि कहीं भी किसी भी क्षेत्र में रहे दो या तीन से अधिक कार्यकर्ता एक साथ नहीं चलेंगे और हर गरीब बस्ती में कोई व्यक्ति भूखा ना सोए इसके लिए क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं से टेलीफोन से बराबर संपर्क भी साधना आवश्यक है आज के कार्यक्रम में कांग्रेस सिपाही प्रेम कुमार वर्मा मतीन शाह, अमित गुप्ता नबी हुसैन मंसूरी, शिव भगवान रघुनायक संरक्षक अर्कवंशी आरख महासभा, अजय कुमार शुक्ला, पंकज पटेल, प्रशांत पटेल अंकुर पटेल संतोष कुमार शर्मा आदि जन उपस्थित रहे!

# मलाइका ने बनाया डेजर्ट, अर्जुन ने साझा की उसकी झलकी

मुंबई। कोरोनो वायरस लकडाउन के दौरान घर में कैद बॉलीवुड दीवा मलाइका अरोड़ा ने स्वीट डेजर्ट बनाया, जिसकी तस्वीर उनके कथित बयफ्रेंड व अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर साझा की है। अर्जुन ने डेजर्ट की झलकी इंस्टाग्राम पर बूमरैंग के माध्यम से साझा की है, इसे उन्होंने ईस्टर केक बताया। वहीं स्टोरी में उन्होंने मलाइका का नाम न लेते हुए 'उसकाश(हर) लिखा और साथ ही दिल वाली इमोजी भी लगाई। अपने रिश्ते को बहुत लंबे समय तक अंधेरे में रखने के बाद, अर्जुन और मलाइका अब खुलेआम साथ नजर आते हैं। डिनर डेट से लेकर पार्टियों और फिल्म की स्क्रीनिंग तक इस जोड़े की कई बार एक साथ तस्वीरें खिंचवाते देखा गया है। वहीं काम की बात करें तो अर्जुन की अगली फिल्म 'संदीप और पिंकी फरार' है। फिल्म का निर्देशन दिबाकर बनर्जी ने किया है। फिल्म में परिणीति चोपड़ा भी हैं।

# पुलिस पर ग्रामीणों ने बरसाए फूल

बिजुआ–खीरी। गुलरिया कस्बे में एसओ भीरा प्रदीप कुमार सिंह,चौकी प्रभारी बिजुआ विपिन कुमार लॉक डाउन का पालन करने हेतु कस्बे में रूट मार्च कर रहे थे तभी गुलरिया में हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर पुलिस पर पुष्पों की बरसा की। इस मौके पर पुलिस प्रशासन में लोगो का आभार प्रकट किया व कोरोना महामारी को रोकने के लिये ग्रामीणो को जागरूक किया सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर हर एक ग्रामीण को कोरोना मुक्त भारत बनाना है। लॉक डाउन के नियमो का पालन कराने के लिये हर क्षेत्र में लागतार पुलिस भम्रण कर रही है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक